



Quran Plus School



वुज़ू का तरीका

शाफ़ई

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ التَّوَّابِينَ وَيُحِبُّ الْمُتَطَهِّرِينَ

कुरआन 2:222

बच्चों और नए सीखने वालों के लिए क़दम-ब-क़दम — क्या धोना है, किसका मसह करना है और क्या पढ़ना है।

क़दम-ब-क़दम

अरबी

हिंदी उच्चारण

हिंदी मतलब

यह गाइड इसकी है:



ऑनलाइन खोलें
पाँचों मसलक · चार्ट



वुजू का तरीका — शाफ़ई

इस फ़िक्ह का परिचय

इमाम मुहम्मद बिन इदरीस शाफ़ई (150-204 हिजरी) से मंसूब। ज़्यादातर मिस्र, पूर्वी अफ़्रीका, यमन, इंडोनेशिया, मलेशिया, कुर्दिस्तान, केरल और श्रीलंका में माना जाता है।

वुजू से पहले



पाक पानी इस्तेमाल करें और पानी बर्बाद न करें — चाहे दरिया के किनारे हों।



जो चीज़ पानी को खाल तक पहुँचने से रोके उसे उतार दें, जैसे नेल पॉलिश या रंग।



दाईं तरफ़ से शुरू करें और इल्मीनान से, ध्यान से वुजू करें।



अगर ज़रूरत हो तो पहले बैतुल-ख़ला (टॉयलेट) से फ़ारिग हो जाएँ।

वुजू ज़रूरी है

- हर नमाज़
- ख़ाना-ए-काबा का तवाफ़
- कुरआन मजीद को छूना

वुजू किन चीज़ों से टूटता है (सब मसलकों में)

- पेशाब या पाखाना
- हवा का ख़ारिज होना
- गहरी नींद
- बेहोशी

बाक़ी चीज़ों में मसलकों का फ़र्क़ है — तुलना चार्ट देखें।

यह गाइड कैसे इस्तेमाल करें

- हर क़दम पर रंगीन निशान इस फ़िक्ह में उसका हुक्म बताता है: फ़र्ज़, सुन्नत, वाजिब या मुस्तहब।
- ♦ का निशान बताता है कि इस क़दम में मसलकों का फ़र्क़ है। मुफ़्त तुलना चार्ट में पाँचों एक साथ देखें।
- असल मतन अरबी है; उच्चारण वाली लाइन सिर्फ़ मदद के लिए है। सही तलफ़्फ़ुज़ किसी उस्ताद से सीखें।
- किसी बड़े के साथ मशक्क़ करें, यहाँ तक कि इल्मीनान से ख़ुद कर सकें।

फ़र्ज़

वाजिब

सुन्नत

मुस्तहब

एहतियाम की बात

वुजू के ये पाँचों तरीक़े कुरआन (5:6) और सुन्नत ही से लिए गए हैं; हर मसलक ने दलीलों को अपनी समझ के मुताबिक़ लिया है। यह बच्चों और नए सीखने वालों के लिए एक आसान गाइड है, जैसा कि हर मसलक में आम तौर पर सिखाया जाता है — अपने मसलक पर अमल करें और तफ़सील किसी मुस्तनद आलिम या उस्ताद से सीखें।



वुजू का तरीका — शाफ़ई

1

नीयत और बिस्मिल्लाह

◆ मसलकों में फ़र्क

फ़र्ज़

“बिस्मिल्लाह” कहें। दिल में नीयत फ़र्ज़ है — जब पानी पहली बार चेहरे को लगे, उस वक़्त नीयत ज़ेहन में हो।

बिस्मिल्लाह

सुनन नसाई 78

بِسْمِ اللَّهِ
بِस्مِल्लाह

मतलब: अल्लाह के नाम से।

2

हाथ

सुन्नत

3 बार

दोनों हाथ कलाईयों तक धोएँ और उँगलियों के बीच पानी पहुँचाएँ।

3

कुल्ली

सुन्नत

3 बार

मुँह में पानी डालकर कुल्ली करें — हो सके तो मिस्वाक करें या उँगली से दाँत साफ़ करें।

4

नाक

सुन्नत

3 बार

दाएँ हाथ से नाक में पानी डालें और बाएँ हाथ से नाक साफ़ करें।

5

चेहरा

फ़र्ज़

3 बार

पूरा चेहरा धोएँ: बालों की जड़ों से ठोड़ी के नीचे तक, और एक कान से दूसरे कान तक।

6

बाजू

फ़र्ज़

3 बार

दायाँ बाजू उँगलियों के सिरों से कोहनी समेत धोएँ, फिर बायाँ बाजू।

7

सर का मसह

◆ मसलकों में फ़र्क

फ़र्ज़

3 बार

गीले हाथों से सर का मसह करें। सर के थोड़े-से हिस्से का मसह भी फ़र्ज़ अदा कर देता है; पूरे सर का मसह सुन्नत है।

8

कान

◆ मसलकों में फ़र्क

सुन्नत

3 बार

नया पानी लेकर दोनों कानों के अंदर और पीछे का मसह करें।



वुजू का तरीका — शाफ़ई

9

पाँव

फ़र्ज़

3 बार

दायाँ पाँव टखनों समेत धोएँ और छोटी उँगली से पाँव की उँगलियों के बीच साफ़ करें, फिर बायाँ पाँव।

10

तरतीब

मसलकों में फ़र्ज़

फ़र्ज़

अंगों को इसी तरतीब से धोएँ — चेहरा, बाजू, सर, पाँव। इस फ़िक्ह में तरतीब फ़र्ज़ है।

11

वुजू के बाद

सुन्नत

वुजू पूरा होने पर कलिमा-ए-शहादत पढ़ें, फिर यह दुआ:

वुजू के बाद — कलिमा-ए-शहादत

सहीह मुस्लिम 234

أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيكَ لَهُ، وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ
وَرَسُولُهُ

अशहदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु वहदहु ला शरीका लह, व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलुह

मतलब: मैं गवाही देता हूँ कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, वह अकेला है, उसका कोई शरीक नहीं, और मैं गवाही देता हूँ कि मुहम्मद ﷺ उसके बंदे और रसूल हैं।

वुजू के बाद — दुआ

जामे तिरमिज़ी 55

اللَّهُمَّ اجْعَلْنِي مِنَ التَّوَّائِبِينَ وَاجْعَلْنِي مِنَ الْمُتَطَهِّرِينَ
अल्लाहुम्मज्अल्नी मिनत्-तव्वाबीना वज्अल्नी मिनल्-मुततह्हिरीन

मतलब: ऐ अल्लाह! मुझे तौबा करने वालों में से बना दे और मुझे पाक रहने वालों में से बना दे।



वुजू के 6 फ़र्ज़

1. नीयत। 2. चेहरा धोना। 3. दोनों बाजू कोहनियों समेत धोना। 4. सर के कुछ हिस्से का मसह। 5. दोनों पाँव टखनों समेत धोना। 6. तरतीब।

किसी बड़े के साथ मश्क़

अम्मी-अब्बू या उस्ताद के सामने आहिस्ता-आहिस्ता वुजू करें। हर दिन एक खाना रंग दें।

सोम

मंगल

बुध

जुमेरात

जुमा

शनि

इतवार



वुजू का तरीका — शाफ़ई

मेरा वुजू ट्रैकर

हर नमाज़ से पहले अच्छी तरह वुजू करें तो एक गोला रंग दें।

हफ़्ता 1

	फ़ज़्र	जुहर	अस्र	मग़रिब	इशा
सोम	☐	☐	☐	☐	☐
मंगल	☐	☐	☐	☐	☐
बुध	☐	☐	☐	☐	☐
जुमेरात	☐	☐	☐	☐	☐
जुमा	☐	☐	☐	☐	☐
शनि	☐	☐	☐	☐	☐
इतवार	☐	☐	☐	☐	☐

हफ़्ता 2

	फ़ज़्र	जुहर	अस्र	मग़रिब	इशा
सोम	☐	☐	☐	☐	☐
मंगल	☐	☐	☐	☐	☐
बुध	☐	☐	☐	☐	☐
जुमेरात	☐	☐	☐	☐	☐
जुमा	☐	☐	☐	☐	☐
शनि	☐	☐	☐	☐	☐
इतवार	☐	☐	☐	☐	☐

जो क़दम मैं खुद कर सकता हूँ

1. नीयत और बिस्मिल्लाह ☐	2. हाथ ☐	3. कुल्ली ☐
4. नाक ☐	5. चेहरा ☐	6. बाजू ☐
7. सर का मसह ☐	8. कान ☐	9. पाँव ☐
10. तरतीब ☐	11. वुजू के बाद ☐	

उस्ताद के दस्तखत

वालिदैन के दस्तखत



सर्टिफिकेट

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الْمُتَطَهِّرِينَ

यह सर्टिफिकेट दिया जाता है

वुजू का तरीका क़दम-ब-क़दम सीखने पर — माशाअल्लाह!

शाफ़ई



तारीख

उस्ताद / वालिदैन